आगामी दिनों में ढेंकानाल आधुनिक संचार का एक भावी केंद्र बन जाएगा: श्री धर्मेंद्र प्रधान

ओडिशा, 23 फरवरी, 2024: केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने आज कहा कि ढेंकानाल में कुशल भारत केंद्र क्षेत्र के कौशल विकास परिदृश्य को सुदृढ़ करेगा, जिससे 21वीं सदी के कौशल तक पहुंच बढ़ेगी। यह आकांक्षाओं को पूरा करेगा, नागरिकों, विशेषकर युवाओं को सशक्त बनाएगा और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा। ढेंकानाल में कुशल भारत केंद्र (एसआईसी) भारत को वैश्विक कौशल राजधानी बनाने की #मोदीगारंटी को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

ढेंकानाल में एसआईसी का आज का उद्घाटन आईआईएमसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रेरित है, जो युवाओं की क्षमता को उजागर करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस तरह की पहल उन्हें आज के गतिशील और प्रतिस्पर्धी जॉब बाजार की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करेगी। एसआईसी का शुभारंभ ढेंकानाल को भावी कौशल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा जो आकर्षक कैरियर संभावनाओं को तैयार करने के लिए जॉब बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे स्थानीय युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करेगा। एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस शुभारंभ पर बोलते हुए, **केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी** ने आगे कहा, "आईआईएमसी ढेंकानाल को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। कुशल भारत केंद्र का आज उद्घाटन हुआ, अगर इसे आईआईएमसी ढेंकानाल से जोड़ दिया जाए तो आगामी दिनों में यह आधुनिक संचार का भावी केंद्र बन जाएगा। कई छात्र कुशल भारत केंद्र का लाभ उठा सकते हैं और हम विकसित भारत का लक्ष्य तभी हासिल कर सकते हैं, जब नई पीढ़ी के युवा कौशलीकरण, पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन के माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाएंगे। कुशल भारत मिशन के अंतर्गत, केंद्र उम्मीदवारों और युवा महिलाओं को ग्राफिक्स डिजाइनिंग, आतिथ्य, प्रौद्योगिकी सेवाओं और चर्म उद्योग जैसे आधुनिक कौशल में प्रशिक्षित करेगा।

हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विज़न के अनुरूप, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) देश में अनेक पहल शुरू कर रहा है और कुशल भारत केंद्र इस दिशा में एक प्रगतिशील कदम है, जिससे ओडिशा राज्य अपनी युवा प्रतिभा की क्षमता को उत्प्रेरित करने में सक्षम होगा। यह छात्रों को नई तकनीकों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है और उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करता है।

उद्योग केंद्रित और परिणाम संचालित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, केंद्र छात्रों को उभरते रुझानों में समृद्ध अनुभव प्राप्त करने और आज के विकसित जॉब परिदृश्य में इन कौशल को कार्यान्वित करने का तरीका सीखने में सक्षम करेगा। यह केंद्र न केवल छात्रों को किफायती कीमतों पर भावी कौशल पाठ्यक्रम प्रदान करेगा, बल्कि पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करेगा और उन्हें समकालीन संदर्भों में बढ़ावा देगा। इन प्रयासों के माध्यम से, केंद्र को युवा पीढी के लिए एक ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा, जो संबंधित क्षेत्रों में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल के अर्जन को सक्षम करने में इस पहल के ठोस प्रभाव को प्रदर्शित करेगा।

यह केंद्र सर्वोत्तम बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक तकनीकों और आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो युवाओं के भविष्य को आकार देने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में नियोजन के रास्ते खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस पहल के एक भाग के रूप में, क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) क्षेत्र-विशिष्ट विशेषज्ञता प्रदान करेगी, कौशल अंतराल की पहचान करेगी, प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करेगी और एक

कुशल कार्यबल बनाने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करेगी जो उद्योगों में प्रतिभा की मांग को पूरा करेगी। प्रशिक्षण इकोसिस्टम के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, एनएसडीसी एक केंद्र प्रबंधक को नामित करेगा जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण करेगा, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा और केंद्र के समग्र कामकाज को सुनिश्चित करेगा।

20 फरवरी को, माननीय केंद्रीय मंत्री ने संबलपुर में कुशल भारत केंद्र का उद्घाटन किया, जो क्षेत्रीय युवाओं की आकांक्षाओं और सपनों से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य उनकी करियर की संभावनाओं को बढ़ाना है।

वर्ष की शुरुआत में, केंद्रीय मंत्री ने कौशल रथ पहल शुरू की, जो ओडिशा के संबलपुर, अंगुल और देवगढ़ जिलों में इच्छुक उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए तैयार की गई बसें हैं। इसने पहले ही 4000 उम्मीदवारों को विभिन्न पाठ्यक्रम मॉड्यूल में प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिससे डिजिटल साक्षरता, खुदरा और उद्यमशीलता कौशल और क्षेत्र के समावेशी विकास को बढ़ावा मिला है।

<u>राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के बारे में</u>

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) देश में कौशल इकोसिस्टम का प्रमुख वास्तुकार है। यह भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत कार्य करने वाला एक अद्वितीय सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) उद्यम है। एनएसडीसी की स्थापना निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कौशल इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पहल बनाने के लिए कुशल भारत मिशन के कार्यनीतिक कार्यान्वयन और ज्ञान भागीदार बनने के उद्देश्य से की गई थी। एनएसडीसी उन उद्यमों, स्टार्ट-अप, कंपनियों और संगठनों को सहायता प्रदान करता है जो संभावित कार्यबल को भावी कौशल में अवसरों की दुनिया की पेशकश करके प्रभाव पैदा कर रहे हैं। यह संगठन पात्र संस्थाओं को वित्तीय सहायता, उम्मीदवारों को रियायती ऋण के साथ-साथ अन्य नवीन वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके और कार्यनीतिक भागीदारी बनाकर कौशल में निजी क्षेत्र की पहल को बढ़ाने, सहयोग और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल विकसित करता है।